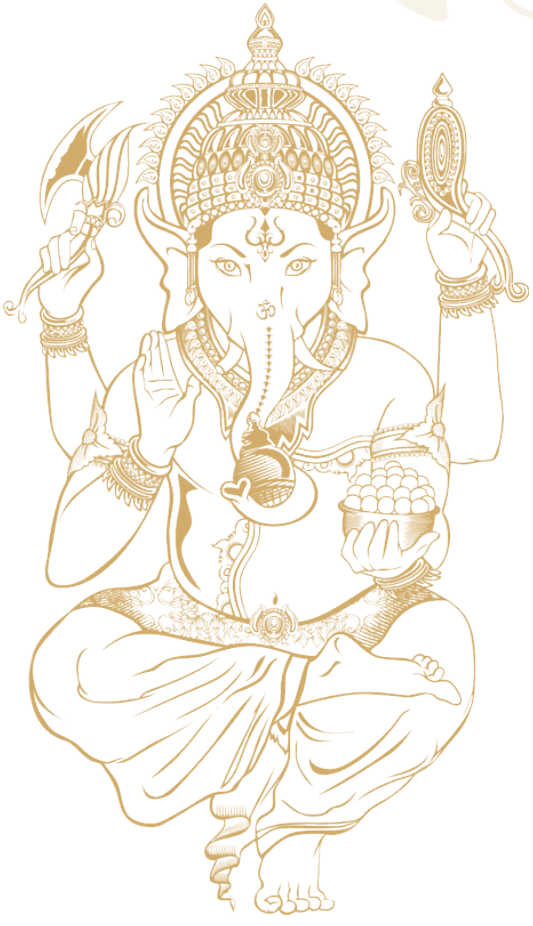

Vaibhav Kumar karmali

18 Aug 2023

07:05 AM

Chahar Burjak

Model: web-freekundliweb

Order No: 120976802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/08/2023**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:05:00 घंटे**
इष्ट	03:05:37 घटी
स्थान	**Chahar Burjak**
देश	Afghanistan

अक्षांश	30:04:00 उत्तर
रेखांश	62:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	67:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:43:00 घंटे
वेलान्तर	-00:03:58 घंटे
साम्पातिक काल	04:27:50 घंटे
सूर्योदय	05:50:45 घंटे
सूर्यास्त	19:00:30 घंटे
दिनमान	13:09:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	00:44:35 सिंह
लग्न के अंश	15:48:05 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शिव
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	15:48:05	311:45:42	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	---
सूर्य			सिंह	00:44:35	00:57:43	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
चंद्र			सिंह	19:18:52	11:51:26	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
मंगल			सिंह	29:47:36	00:38:03	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
बुध			सिंह	26:14:25	00:28:38	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
गुरु			मेष	20:53:48	00:03:24	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र	व		कर्क	23:27:48	00:34:53	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	10:20:41	00:04:27	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	02:27:01	00:08:15	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	02:27:01	00:08:15	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	सम राशि
हर्ष			मेष	28:50:23	00:00:33	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	---
नेप	व		मीन	02:55:18	00:01:20	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो	व		मक	04:19:39	00:01:15	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			वृष	14:29:52	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:07

लग्न-चलित

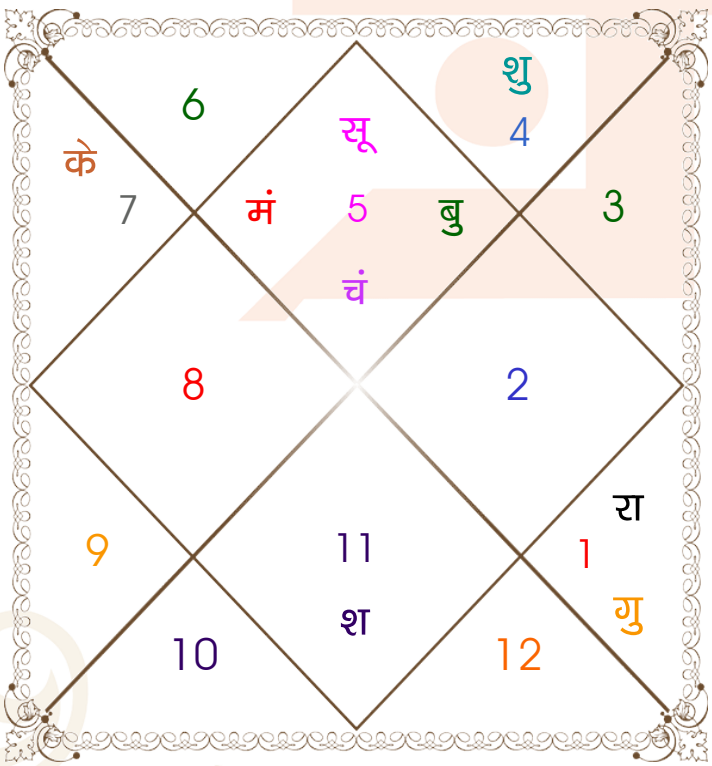

चन्द्र कुंडली

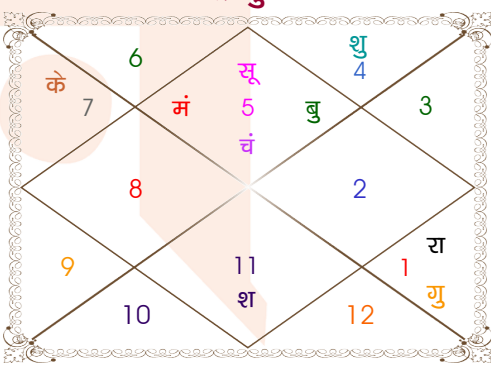

नवमांश कुंडली

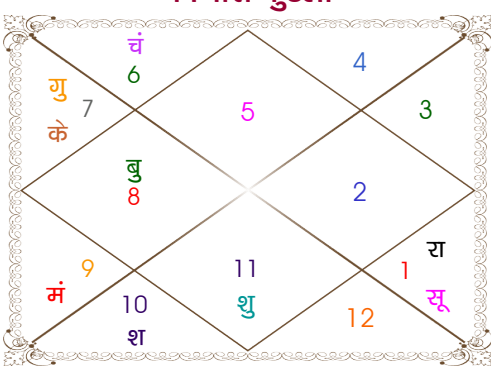

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 0 मास 10 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
18/08/2023		28/08/2034		27/08/2040		28/08/2050		28/08/2057	
28/08/2034		27/08/2040		28/08/2050		28/08/2057		28/08/2075	
	00/00/0000	सूर्य	15/12/2034	चंद्र	28/06/2041	मंगल	24/01/2051	राहु	10/05/2060
	00/00/0000	चंद्र	16/06/2035	मंगल	27/01/2042	राहु	11/02/2052	गुरु	03/10/2062
	00/00/0000	मंगल	22/10/2035	राहु	29/07/2043	गुरु	17/01/2053	शनि	09/08/2065
	18/08/2023	राहु	15/09/2036	गुरु	27/11/2044	शनि	26/02/2054	बुध	27/02/2068
राहु	27/10/2024	गुरु	04/07/2037	शनि	28/06/2046	बुध	23/02/2055	केतु	16/03/2069
गुरु	28/06/2027	शनि	16/06/2038	बुध	27/11/2047	केतु	23/07/2055	शुक्र	16/03/2072
शनि	28/08/2030	बुध	22/04/2039	केतु	27/06/2048	शुक्र	21/09/2056	सूर्य	08/02/2073
बुध	28/06/2033	केतु	28/08/2039	शुक्र	26/02/2050	सूर्य	27/01/2057	चंद्र	10/08/2074
केतु	28/08/2034	शुक्र	27/08/2040	सूर्य	28/08/2050	चंद्र	28/08/2057	मंगल	28/08/2075

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
28/08/2075		28/08/2091		29/08/2110		29/08/2127		29/08/2134	
28/08/2091		29/08/2110		29/08/2127		29/08/2134		00/00/0000	
गुरु	15/10/2077	शनि	31/08/2094	बुध	24/01/2113	केतु	25/01/2128	शुक्र	28/12/2137
शनि	28/04/2080	बुध	10/05/2097	केतु	22/01/2114	शुक्र	26/03/2129	सूर्य	29/12/2138
बुध	03/08/2082	केतु	19/06/2098	शुक्र	22/11/2116	सूर्य	01/08/2129	चंद्र	28/08/2140
केतु	10/07/2083	शुक्र	19/08/2101	सूर्य	28/09/2117	चंद्र	02/03/2130	मंगल	28/10/2141
शुक्र	10/03/2086	सूर्य	01/08/2102	चंद्र	27/02/2119	मंगल	29/07/2130	राहु	19/08/2143
सूर्य	28/12/2086	चंद्र	02/03/2104	मंगल	25/02/2120	राहु	17/08/2131		00/00/0000
चंद्र	28/04/2088	मंगल	11/04/2105	राहु	13/09/2122	गुरु	23/07/2132		00/00/0000
मंगल	03/04/2089	राहु	16/02/2108	गुरु	19/12/2124	शनि	01/09/2133		00/00/0000
राहु	28/08/2091	गुरु	29/08/2110	शनि	29/08/2127	बुध	29/08/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 0 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते है कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पातें । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।